Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. **सन् 1789 से पहले फ्रांस की पूरी आबादी के कितने प्रतिशत किसान थे?**
   (अ) 60 प्रतिशत
   (ब) 90 प्रतिशत
   (स) 70 प्रतिशत
   (द) 50 प्रतिशत

2. **फ्रांसीसी उपनिवेशों के दासों की मुक्ति का कानून कब पारित किया गया?**
   (अ) सन् 1792 में
   (ब) सन् 1793 में
   (स) सन् 1791 में
   (द) सन् 1794 में

3. **निम्न में से किसने सरकार के अंदर विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता विभाजन की बात कही?**
   (अ) लॉक ने
   (ब) मान्टेस्क्यू ने
   (स) रूसो ने
   (द) बाल्टेयर ने

4. **सन् 1789 से पहले के फ्रांसीसी समाज और संस्थाओं के लिए किस शब्द का प्रयोग होता है?**
   (अ) लोकतंत्र
   ब) नवीन राजतंत्र
   (स) राजतंत्र
   (द) प्राचीन राजतंत्र

5. **फ्रांस की क्राति कब हुई?**
   (अ) 1779
   (ब) 1889
   (स) 1689
   (द) 1789

6. **राजा की शक्तियों को सीमित करने के लिए फ्रांस में संविधान कब बनाया गया?**
   (अ) 1774
   (ब) 1789
   (स) 1791
   (द) 1674

7. **किस वर्ष में लुई सोलहवाँ फ्रांस का सम्राट बना?**
   (अ) 1750
   (ब) 1774
   (स) 1685
   (द) 1700

8. **किसको यूरोप के आधुनिकीकरण का अग्रदूत माना जाता है?**
   (अ) रोबेस्पैरे
   (ब) लुई सोलहवाँ
   (स) नेपोलियन
   (द) ओलंप दे ग्रूज

9. **चर्च द्वारा फ्रांस में लगाया जाने वाला कर जो फसल का 1/10 वाँ भाग होता था?**
   (अ) टोबको
   (ब) टिथस
   (स) साल्ट
   (द) टैले

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. जिलोटिन (Guillotine) क्या था?

(अ) फसल चुनने की मशीन
(ब) फसल काटने की मशीन
(स) अंगूरों के खेतों का एक यंत्र
(द) दण्डित लोगों के सर को धड़ से अलग करने की मशीन

रिक्त स्थान :

11. जेकोबिन क्लब का मुख्य नेता _____ था।

12. वाटर लू का युद्ध _____ में लड़ा गया।

सत्य / असत्य

13. फ्रांसीसी उपनिवेशों के दासों की मुक्ति का कानून 1792 में पारित किया था।

14. सन् 1776 में अमेरिका के 13 उपनिवेशों ने खुद को इंग्लैंड से स्वतंत्र करा लिया था।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. एस्टेट जेनराल की बैठक में तीनों वर्गों के कितने-कितने प्रतिनिधि आमंत्रित किए गए थे?

16. 18वीं सदी में फ्रांस में किस नए समाजिक वर्ग का उदय हुआ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. फ्रांसीसी समाज के किन तबकों को क्रांति का फ़ायदा मिला? कौन-से समूह सत्ता छोड़ने के लिए मजबूर हो गए? क्रांति के नतीजों से समाज के किन समूहों को निराशा हुई होगी?

18. फ्रांस में क्रांति की शुरुआत किन परिस्थितियों में हुई?

निबंधात्मक प्रश्न

19. क्रांति से पूर्व फ्रांस की आर्थिक स्थिति का उल्लेख कीजिए।

20. नेपोलियन के उदय का आप कैसे वर्णन करेंगे?

HOTS

21. उन जनवादी अधिकारों की सूची बनाएँ जो आज हमें मिले हुए हैं और जिनका उद्गम फ्रांसीसी क्रांति में है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (ब) आबादी का अधिकतर भाग कृषि करता है। फ्रांसीसी समाज वर्ण व्यवस्था पर आधारित था। जिसमें पूरी आबादी में 90 प्रतिशत किसान थे।
2. (द) इसके बाद धीरे-धीरे फ्रांसीसी उपनिवेशों में दासों को मुक्ति मिल गई। 1794 के कन्वेंशन ने फ्रांसीसी उपनिवेशों में सभी दासों की मुक्ति का कानून पारित कर दिया। परन्तु यह कानून एक छोटी अवधि तक ही पारित रहा। दस वर्ष के पश्चात नेपोलियन ने दास प्रथा फिर से शुरू कर दी।
3. (ब) विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के केंद्रित होने से निरंकुशता आ जाती है मान्टेस्क्यू ने the spirit of the lodgue नामक रचना में सरकार के अंदर विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच सत्ता विभाजन की बात कही।
4. (द) नए विचारों के आने के पश्चात ऐसा संभव हुआ। 1789 से पहले फ्रांस पर निरंकुश शासन का अधिकार था। सत्ता केवल एक हाथ में केंद्रित थी।
5. (द) 14 जुलाई 1789 को फ्रांस की क्रांति हुई।
6. (स) राजा को निरंकुश अधिकार प्राप्त थे। इसलिए उसे सीमित करने के लिए 1791 में संविधान में इसका प्रावधान किया गया। नेशनल असेंबली ने सन् 1791 में संविधान का प्रारूप बनाया जिसका मुख्य उद्देश्य सम्राट की शक्तियों को सीमित करना था।
7. (ब) सन् 1774 लुई सोलहवाँ फ्रांस का सम्राट बना। उस समय उसकी आयु 12 वर्ष की थी।
8. (स) नेपोलियन ने इस क्षेत्र में अनेकों सुधार किए। नेपोलियन ने निजी संपत्ति की सुरक्षा के कानून बनाए और दशमलव पद्धति पर आधारित नाप-तौल की एक सामान्य प्रणाली चलायी।
9. (ब) अन्य टैक्स तीसरे वर्ग को शासक को देने पड़ते थे। चर्च के द्वारा किसानों से कर का एक हिस्सा, (Tithe धार्मिक कर) के रूप में वसूला जाता था। यह कर कृषि उपज के दसवें हिस्से के बराबर होता था।
10. (द) फ्रांस में आतंक के दौर में इसका प्रचलन अपने उत्कर्ष पर था। गिलोटिन दो खम्भों के बीच लटकते आरे वाली मशीन था जिस पर रखकर अपराधी का सिर धड़ से अलग कर दिया जाता था। इस मशीन का नाम इसके अविष्कारक डॉ. गिलोटिन के नाम पर पड़ा।
11. **रिक्त स्थान :** मैक्सिमिलन रोबस्पैरे
12. **रिक्त स्थान :** सन् 1815
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** सत्य
15. प्रथम एस्टेट (300 प्रतिनिधि)
    द्वितीय एस्टेट (300 प्रतिनिधि)
    तृतीय एस्टेट (600 प्रतिनधि)
    एस्टेट जेनराल (प्रतिनिधि सभा) के नियमों के अनुसार प्रत्येक वर्ग को एक मत देने का अधिकार था।
16. मध्यम वर्ग मध्यम वर्ग के अंतर्गत - बड़े व्यवसायी, व्यापारी, अदालती कर्मचारी, वकील, किसान, कारीगर, भूमिहीन मजदूर, नौकर आदि। आते थे।
17.
    i. क्रांति से लाभ प्राप्त करने वाले वर्ग- फ्रांसीसी क्रारित से मध्यम वर्ग, किसान वर्ग, मजदूर वर्ग तथा दस्तकार वर्ग आदि को लाभ पहुँचा।
    ii. सत्ता छोड़ने वाले वर्ग- जमींदार वर्ग, पादरी वर्ग तथा कुलीन वर्ग को फ्रांसीसी क्राति के कारण सत्ता का त्याग करना पड़ा।
    iii. फ्रांसीसी क्राति के कारण पादरी, वर्ग, कुलीन वर्ग, तथा राजतंत्र समर्थकों को निराशा हुई होगी।
18. निम्नलिखित परिस्थितियों के कारण फ्रांस में क्रांतिकारी विरोध की शुरुआत हुई —
    i. **सामाजिक परिस्थितियाँ:** वहाँ पर सामंतवाद की प्रथा थीं जो तीन वर्गों में विभक्त थी: प्रथम वर्ग, द्वितीय वर्ग एवं तृतीय वर्ग।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

प्रथम एस्टेट में पादरी आते थे। केवल तृतीय एस्टेट ही थी जो सभी कर देने को बाध्य थी। यह एक अन्यायपूर्ण स्थिति थी जिसने तृतीय एस्टेट के सदस्यों में असंतोष की भावना को बढ़ावा दिया।

ii. **आर्थिक परिस्थितियाँ:** सन् 1774 में बूर्बो राजवंश का लुई सोलहवीं फ्रांस के सिंहासन पर बैठा और उसने आस्ट्रिया की राजकुमारी मैरी एन्तोएनेत से शादी की। सत्तारूढ़ होने पर उसे शाही खजाना खाली मिला। जिसके कारण सरकार कर बढ़ाने पर बाध्य हो गई। कर बढ़ाने के प्रस्ताव को पारित करने के लिए फ्रांस के सम्राट लुई सोलहवें ने 5 मई 1789 को एस्टेट के जनरल की सभा बुलाई। प्रत्येक एस्टेट को सभा में एक वोट डालने की अनुमति दी गई। तृतीय एस्टेट ने इस अन्यायपूर्ण प्रस्ताव का विरोध किया और सभा से वाक आउट कर गए।

iii. **दार्शनिकों का योगदान:** अठारहवीं सदी के दौरान मध्यम वर्ग शिक्षित एवं धनी बन कर उभरा। सामंतवादी समाज द्वारा प्रचारित विशेषाधिकार प्रणाली उनके हितों के विरुद्ध थी। शिक्षित होने के कारण इस वर्ग के सदस्यों की पहुँच फ्रांसीसी एवं अंग्रेज राजनैतिक एवं सामाजिक दार्शनिकों द्वारा सुझाए गए समानता एवं आजादी के विभिन्न विचारों तक थी। जॉन लॉक, जींन जंक्स रूसों एवं मांटेस्क्यू ने राजा के दैवीय सिद्धांत को नकार दिया। उस दौरान सामंतों को विस्थापित करने के लिए बहुत से स्थानीय विद्रोह हुए। इस प्रकार फ्रांसीसी क्रांति का प्रारंभ हुआ।

iv. सम्राट लुई सोलहवें एवं उसकी रानी मेरी एंतोएनेत ने अपने विलासितापूर्ण जीवन एवं खर्चीले तौर-तरीकों पर काफी धन बर्बाद किया। उच्च पद आमतौर पर बेचे जाते थे। पूरा प्रशासन भ्रष्ट था और प्रत्येक विभाग के अपने ही कानून थे। किसी एक समान प्रणाली के अभाव में चारों और भ्रम का वातावरण था। लोग प्रशासन की इस दूषित प्रणाली से तंग आ चुके थे तथा इसे बदलना चाहते थे।

19. क्रांति से पूर्व फ्रांस की आर्थिक स्थिति फ्रांस की आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय थी। इस अवस्था के लिए सरकार की फिजूलखर्ची से भी अधिक उसकी कर-व्यवस्था उत्तरदायी थी।

यह व्यवस्था असमानता और पक्षपात के सिद्धांत पर आधारित होने के कारण अत्यंत दूषित थी। कर दो प्रकार के थे-प्रत्यक्ष और परोक्ष। प्रत्यक्ष कर (टाइल) जायदाद, व्यक्तिगत संपत्ति तथा आय पर लिए जाते थे। कुलीन-वर्ग और पादरी इनमें से कुछ करों से तो बिल्कुल मुक्त थे और शेष करों से प्रायः मुक्त थे, क्योंकि कर निर्धारण करने वाले राज्य-कर्मचारी डरकर उन पर नाममात्र का कर लगाया करते थे। उसकी सारी कमी शेष जनता पर कर लगाकर पूरी की जाती थी और इस प्रकार जनता पर करों का अत्यधिक भार था। कुलीन-वर्ग और पादरी भी संपन्न थे, रुपए में तीन आने भी कर नहीं देते थे जबकि मध्यम-वर्ग के व्यक्ति से प्रायः दस गुना कर वसूल कर लिया जाता था। परोक्ष करों में मुख्यतः नमक, शराब, तंबाकू आदि पर लिए जाने वाले कर थे।

दोषपूर्ण कर-व्यवस्था के फलस्वरूप राज्य जनता की संपत्ति का राष्ट्रीय कामों के लिए उपयोग नहीं कर सकता था, उसकी वाणिज्यिक नीति भी ऐसी थी जिसमें राज्य में संपत्ति की उत्पत्ति भी पूरी तरह नहीं हो पाती थी। फ्रेंच व्यापार अभी पूरी तरह से उन्नति नहीं कर पाया था। इस दोषपूर्ण अर्थव्यवस्था का परिणाम यह निकला कि राज्य का व्यय सदैव ही उसकी आय से अधिक रहा था तथा इस घाटे की पूर्ति हेतु सरकार को ऋण का आश्रय लेना पड़ा। अमेरिका के ब्रिटिश उपनिवेशों के स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने के सरकारी निर्णय ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया। अगर इस संबर्ष में सम्मिलित होने के समय को फ्रांस सरकार के संकट का प्रारंभ-बिंदु माना जाए तो अत्युक्ति न होगी। इस संघर्ष की सफल समाप्ति ने फ्रांसीसी स्वतंत्रता की भावना को बल ही प्रदान नहीं किया अपितु उसका आर्थिक भार सरकार के लिए एक असह्य बोझ सिद्ध हुआ जिसे संभाल न सकने के कारण वह टूटकर बिखर गई। फलस्वरूप अमीर-गरीब की खाई चौड़ी होती गई। स्थिति तब और खराब हो जाती जब सूखे एवं ओले के प्रकोप से पैदावार गिर जाती थी तथा जीविका संकट पैदा हो जाता जो फ्रांस में आम थे। अर्थात फ्रांस में नए सामाजिक समूह का उदय हुआ जिसे मध्यवर्ग कहते है। इस समूह ने बढ़ते कर एवं अकाल के लिए आवाज़ उठायी थी। जो समृद्ध, शिक्षित एवं नयें विचारों का समूह था।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें जैसे चाहें
100% FREE!
Video COURSE | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

20. सन् 1786 में निर्देशिका के पतन के तुरंत बाद नेपोलियन का उदय हुआ। निदेशकों का प्रायः विधान सभाओं से झगड़ा होता था जो कि बाद में उन्हें बर्खास्त करने का प्रयास करती। निर्देशिका राजनैतिक रूप से अत्यधिक अस्थिर थी; अतः नेपोलियन सैन्य तानाशाह के रूप में सत्तारूढ़ हुआ। सन् 1804 में नेपोलियन बोनापार्ट ने स्वयं को फ्रांस का सम्राट बना दिया। वह पड़ोसी यूरोपीय देशों पर विजय करने निकल पड़ा, राजवंशों को हटाया और साम्राज्यों को जन्म दिया। इन साम्राज्यों को उसने अपने परिवार के सदस्यों के हाथों में दे दिया। वह स्वयं को यूरोप के आधुनिकरण का अग्रदूत मानता था। उसने निजी संपत्ति की सुरक्षा जैसे कई कानून बनाए और दशमलव प्रणाली पर आधारित नाप-तौल की एक समान पद्धति शुरू की। अंततः 1815 ई0 में वाटरलू में उसकी हार हुई।

21. वे लोकतांत्रिक अधिकार जिन्हें हम आज प्रयोग करते हैं तथा जिनका उद्गम फ्रांसीसी क्रांति से हुआ है, इस प्रकार हैं—

i. विचार अभिव्यक्ति का अधिकार- प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार प्रकट करने की स्वतंत्रता है। परंतु उसमें समाज या देश को हानि न पहुँचे।

ii. समानता का अधिकार- मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ है और उसके अधिकार अन्य मनुष्यों के समान होंगे।

iii. स्वतंत्रता का अधिकार- प्रत्येक मनुष्य को पूर्ण स्वतंत्रता का अधिकार है परंतु वह दूसरों की स्वतंत्रता को हानि न पहुँचाएँ।

iv. एकत्र होने तथा संगठन बनाने का अधिकार- राज्य की शक्ति का मुख्य स्रोत राज्य के नागरिक है। नागरिकों को एकत्र होने तथा संगठन बनाने का अधिकार हैं। परन्तु कोई भी व्यक्ति अथवा कोई भी संगठन ऐसा निर्णय लागू नहीं कर सकता जो देश के लोगों की इच्छा के विरुद्ध हो।

v. सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक अधिकार- सभी को समान सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक अधिकार प्राप्त है।

vi. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार- सभी व्यक्तियों को धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त है।

vii. शोषण के विरुद्ध अधिकार- कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति का शोषण नहीं कर सकता।

viii. संवैधानिक उपचारों का अधिकार- संवैधानिक उपचारों का अधिकार प्राप्त है।

पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App